छात्र जीवन से ही तय हो लक्ष्य

- विश्वविद्यालय में आयोजित हुई कैरियर मैनेजमेंट कार्यशाला

जौनपुर : युवाओं को छात्र जीवन से ही अपने कैरियर के प्रति सजग रहना चाहिए। स्कूली कक्षा से ही जीवन के लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। समुचित कैरियर प्रबंधन के माध्यम से ही व्यक्ति जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। जीवन में उद्देश्य पूर्ति होने पर व्यक्ति सुखी एवं संतोषजनक जीवन यापन करेगा। यह बातें

मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर अजय कुमार सिंह ने पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कही। मौका था एचआरडी विभाग में शनिवार को प्रबंध संकाय में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के क्रम में एक दिवसीय कैरियर मैनेजमेंट कार्यशाला का।

प्रो.सिंह ने कहा कि व्यक्ति को ही नहीं बल्कि संस्थानों को भी अपने कर्मियों का समुचित कैरियर प्रबंधन करने की आवश्यकता है। अन्यथा उस संस्थान में कार्यरत कर्मियों की कार्यक्षमता व मनोबल पर उसका प्रतिकूल प्रभाव पडेगा। संस्थान छोडकर जाने वाले योग्य-अनुभवी कर्मियों की संख्या बढ़ने से संस्थान को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। प्रोफेसर सिंह ने कैरियर प्रबंधन से संबंधित कई रोचक उदाहरण, प्रसंग तथा छोटी-छोटी फिल्मों को दृश्य-श्रव्य साधन के माध्यम से छात्रों के समक्ष प्रभावी एवं मनो-विनोद के साथ प्रस्तुत किया। उत्साही छात्रों के कई सवालों के जवाब भी उदाहरण के साथ स्पष्ट किए। स्वागत विभागाध्यक्ष डॉ. अविनाश पाथर्डीकर, अध्यक्षता प्रबंध संकायाध्यक्ष डॉ. एच.सी. पुरोहित, संचालन अभिनव व अनुपम ने किया। आभार डॉ. रशिकेश ने व्यक्त किया।

पूविवि : कैरियर मैनेजमेंट कार्यशाला में जानकारी देते दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अजय कुमार सिंह।

निरक्षर रहना जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप

जौनपुर : अंर्तराष्ट्रीय साक्षरता दिवस सप्ताह के तहत शनिवार को खालिसपुर की मुसहर बस्ती मे कापी व कलम वितरित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मे प्राचार्य डा.सीबी पाल ने हरी झंडी दिखाकर साक्षरता रैली को कालेज से रवाना किया था। इस दौरान कुटीर स्नातकोत्तर महाविद्यालय चक्के के बीएड विभागाध्यक्ष डा.सीबी पाठक ने कहा कि निरक्षर रहकर जीवन जीना सबसे बड़ा अभिशाप है। इस दौरान विभाग के शिक्षक डा.नीता तिवारी, डा.दुर्गा सिंह, डा.सुरेंद्र दूबे, डा.रामेश्वर नाथ मिश्र, विकास सिंह ने क्षेत्र के अभिभावको को शिक्षा के प्रति जागरूक किया।

छात्र जीवन से ही रहें कॅरियर के प्रति सजग

बोले, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रो. अजय कुमार सिंह

अमर उजाला ब्यरो

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में हुई कॅरियर मैनेजमेंट कार्यशाला

पूविवि के एचआरडी विभाग में आयोजित कॅरियर मैनेजमेंट कार्यशाला को संबोधित करते प्रो.अजय कुमार सिंह।

जौनपुर। दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इकोनामिक्स प्रो. अजय कुमार सिंह ने कहा कि युवाओं को छात्र जीवन से ही अपने कॅरियर के प्रति सजग होना चाहिए। स्कूली कक्षा से ही जीवन के लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। समुचित कॅरियर प्रबंधन के माध्यम से ही व्यक्ति जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगा। वह शनिवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के एचआरडी विभाग की ओर से कान्फ्रेंस हाल में आयोजित व्यक्तित्व विकास विषय एक दिवसीय कॅरियर मैनेजमेंट कार्यशाला में बोल रहे थे।

उन्होंने ने कहा कि हर दिन विकसित हो रही नई तकनीकी और विज्ञान के युग में यह संभव नहीं है कि हम जिस संस्था से कॅरियर प्रारंभ करें उसी संस्था में अंत तक टिके रहें। जो व्यक्ति अपनी क्षमता खुद ही तय करता है और उसी के अनुरूप संस्थान व जिम्मेदारियों को बदलते रहते हैं वही कैरिअर का समुचित प्रबंधन कर पाते हैं। ऐसा नहीं कर पाने पर उसे जीवन में अवसाद व कष्ट के दौर से गुजरना पड़ सकता है। व्यक्ति को ही नहीं बल्कि संस्थानों को भी अपने कर्मियों का समुचित कॅरियर प्रबंधन करना आज की आवश्यकता है। अन्यथा उस संस्थान में कार्यरत कर्मियों की कार्यक्षमता व मनोबल पर उसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। संस्थान छोड़कर जाने वाले योग्य-अनुभवी कर्मियों की संख्या घटने से संस्थान को चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। कैरिअर प्रबंधन से संबंधित कई रोचक उदाहरण, छोटी-छोटी फि ल्मों को दृश्य-श्रव्य साधन के माध्यम से छात्रों के समक्ष प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया। छात्रों के कई सवालों के जवाब भी दिए। कार्यक्रम के आरंभ में विभागाध्यक्ष डा. अविनाश पाथर्डीकर ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रमों की संक्षिप्त रूप-रेखा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि एचआरडी विभाग का उद्देश्य कुशल मानव संसाधन विकसित करना है। इसी दिशा में यह कार्यशाला अति महत्वपूर्ण कड़ी है। अध्यक्षता प्रबंध संकायाध्यक्ष डा. एचसी पुरोहित ने की। उन्होंने कहा कि प्रबंध संकाय में व्यक्तित्व विकास के कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित होते रहेंगे। धन्यवाद ज्ञापन डा. रशिकेश ने किया। संचालन अभिनव व अनुपम ने किया।